तुबारि

www.pangi.in
अब अंग्रेजी, हिन्दी त पंगवाड़ी भाषा अन्तर असी।

Issue - 101,
November. 2020

इस मेहने तुबारि संस्करण तुसी हरालण जे अस सुआ खुश असे। छने पढ़ुण जे एन्हि कथाई त कविताई पुठ चिकिण दिए। वापिस इस पन्ने पुठ एण जे पन्ने पड़डे दुतो विषय सूची पुठ चिकिण दिए। धन्यवाद

क्र. सं.	विषय सूची	पन्ना
1	अजादी सोबी टचारी	2
2	कोयाल त काग	5
3	बलवान कोउं?	8
4	दुई घेडु कथा	10
7	लखे टके बोक	11

आजादी सोबी टयारी

यक कुआ थिआ, तेस नओ समीर थिउ। समीर तीं शरारती थिआ। शरारती जुओई साते साते तसे यक होरी खराब आदत इ बि थी कि से बेकसूर चेड़ी चखुरु बजन मतलबे दुख देन्ताथ। समीरे बोउ यक लेखक थिआ। तेस चेड़ी चखुरु तीं प्रेम थिए। तेन चड़ी चखुरु के खाण पीण त बिशणे बारे यक कताब बि लिखो थी।

समीरे बोउए समीर केहि लिंगि समझा कि "हेर कोईया, तु इन्हि चेड़ी चखुरु बजन मतलबे परिशान न कर। एन्हि तें कि बिगाड़ो असु जे तु हर टेम एन्हि परिशान कता रेहंता?" पर समीर अपु बोउए समझाण पुठ धिक भइ बि गौर न कताथ। से हमेशा चेड़ी चखुरु फसाणे नोउए नोउए तरीके लातांथ। केहि लिंगि अगर चेड़ी चखुरु तेन्के अन्तर एई गए त से तेन्हि टाण जे अपु गीहे सोब गलैज त दुवार बन्न कइ छताथ। तोउं तेन्हि टांता त पिंजरे अन्तर बन्न कर कइ तेन्के राई हेरता। से कदी तेन्के अगर रोटि टुकुड़ छता त कदी पाणि कटोरु रखता। पर कैद भुओ चड़ी चखुरु न किछ खांते न किछ पींते। से ढुके टशे ईं समीरे पिंजरे अन्तर मरी घेन्ते। हेउस फि समीर कोई होरे चेड़ी चखुरु टांता त तेन्हि जुओई बि ईहांणि कता।

विषय सूची

यक रोज तेन चखुरी गुल्हे अन्तरा तसे दुई मठ मठ बच्चे टाई छड़े। अपु आदती मुताविक तेन्हि] पिंजरे अन्तर बन्न कर कइ सुआ खुश भोई गा।

धिक चेरे ईं चखुर अपु बच्ची जे चोग घिन आई त अपु दुहे बच्चे गुल्हे अन्तर न काए त सुआ डर गई। तेन ईएर ओर अपु बच्चे तोपे, पर न मेईए। पता तेन झठ अपु बच्चे समीरे पिंजरे अन्तर काई छड़े। तेस सुआ चिन्ता भुई त टीरी अन्तर आँखू भरी कइ से जोरी जोरी बाशण लगी। चखरी बाशुण शुण कइ तेठि सुआ चेड़ी चखुरु, तोते, अलणी, घुगी, काग त मैना एई गए। तेन्हि सोबी मीई कइ बच्ची छुड़काणे कोशिश की, पर सोब जेईं बेबस भोई गए। किस कि समीरे हथ अन्तर लोड़ थिआ, से तेन्हि सोबी लोडिया लगो थिआ। समीर अपु गी अत चेड़ी चखुर हेर कइ पूरा जीं राजा बणो थिआ। जपल समीर ढुख लगी, त से खान्जे खाण जे अन्तर गा। तेन पिंजरा बि टाई कइ अन्तरे धे नियो थिआ। तोउं सोब चेड़ी चखुरु घेई गए। अब सिर्फ बच्ची के ई अकेली तेठि बिशो थी। से घड़ी घड़ी बाशण लगो थी। शयद तेस हऊ बि आश थी कि समीर तसे बच्ची अजाद कइ छड़ियाल।

समीरे खान्जे खांते खांते तसे दोस्त अमित तसे गी आ। तेन पिंजरे अन्तर दुई मठ मठ चखुरी बच्चे काए त से सुआ दुखी भोई गा। समीरे ईं घटिया हरकत हेर कइ अमित तीं तकलीफ भुई।

विषय सूची

तेन समीर जे बोलु, “तु सुआ जालिम असा, बारा। तोउ केसेरी दाह दया नेई। एन्हि चेड़ी चखुरु तें की बिगाड़ो असु जे तुं एन्हि पजरे पिंजरे अन्तर कैद कर कइ रखता?” “अउं जालिम न भुओ, बारा? अउं त एन्के धे चोग पुओणी देन्ता। अगर ए किछ खान्ते पीन्ते नऊ त एस अन्तर में की गलती असी? तोउ मोउं पुठ विश्वास नेई त अपफ हेरी सकता।” अतु बोल कइ समीर पिंजरा टाई कइ बाहरी एई गा।

अमित पता थिआ कि समीर कत मुर्ख असा। तेन सोचु अगर समीर लेहरी कइ समझाल त ए मानणे बाड़ा नेई। चल, आज एस प्यार जुओई समझाई कइ हेरते। तेन समीर जे प्यार जुओई बोलु, “हेर समीरा! जीं इन्हि बच्ची के ई, अपु बच्ची के गम अन्तर दुखी भुओ असी। भगवान न करे, शुई अगर तोउ बि कोई जेईं टाई कइ घिन घिएल त तें ईया पुठ की बितती? तु कि अपु ईए बगैर खान्जे खाई सकता ना, से जालिम मेह्णु के कैद अन्तर?”

“हेर दोस्ता! हर यक पखुरु आजाद घुमण त उडरण चाहांते। जीं अस आजाद असे। अगर तोउ चड़ी चखुरु जुओई खेलणे अतंरी शोंख असी त तुं लहाड़ पुठ एन्हि जे चोग त कैसे शोउए भान्न अन्तर पुओणी रख सकता। फि हेर, चड़ी चखुरु के डहरु हेर कइ त चु चुवात शुण कइ तें गीहे रौनक कति अब्बल भुन्ती।’ अमिते एन्हि बोकी के समीरे मन अन्तर सुआ असर भुआ।

विषय सूची

तेन मान छऊ कि से पखुरु पुठ सुआ जुलुम कता। तेन फि तिखेईए चखुरी दुहे बच्चे अजाद कइ छड़े। से अजाद भोई कइ अपु ईया केईं पुज गे, जे तेठि भेएड़ बाशण लगो थी। तोउं समीरे अपु पिंजरा टोड़ी कइ फटाई छड़ा।

कोयाल त काग

यक जगाई यके सीध अन्तर दुई बुटे थिए। यक आमे त होरा नीमे। आमे बुटे पुठ कोयाल बिश तीथ त नीमे बुटे पुठ कागे ठेकाणा थिआ। दुही के जिन्दगी मज्जे जुओई गुजरण लगो थी।

बरशाड़ आ। कोयाल भ्यागे भ्यागे मीठी आवाज अन्तर घीत लाण लगी- कूहू.....कूहू.....पूरे वातावरण अन्तर कोयले मीठी आवाज आई। घीत लाई कइ जपल कोयाल थकी गई त तेनि घीत लाण बन्न कइ छऊ। तोउं तसे नजर काग पुठ गई। से नीमे बुटे पुठ उदास बिशो थिआ। कोयले पुछु "काग भोउआ! कोई दुख तकलीफ असी ना?" "ना बे!" कागे झजकेई कइ बोलु। "सुआ उदास असा ना?" कोयले बोलु। "आ" कागे जवाब दिता। "किस?" कोयले पुछु, "कि बारा भोउआ! तोउ में घीत अब्बल न लगु ना?" "ना ना, ईं कोई गल नेई।" कागे बोलु। "त फि कि कियो असु, बे भोउआ?"

(होरा पेज हेरे)

विषय सूची

कोयले बोलु। “हेर ना बारा भेणिए तु बि टिठि, अउं बि टठा असा।” पर ईं बोते बोते काग रुकी गा।

“त की भु?” कोयले बोलु। “तें आवाज जति मीठी असी, ततरी कुस्तरी असी में आवाज। एसे बझई जुओई अउं उदास असा। हर यक जेईं तें आवाजी तारीफ कता, त में आवाजी बेज्जती। सचे त ईं असु कि भगवाने मोउं जुओई खरा अन्याए कियो असा।”

“बारा भोउआ! तें ईं सोचुण ठीक नेई, कोयले झठ बोलु।

“किस नेई?” कागे बोलु।

“भगवाने जे किछ कियो असु, बिल्कुल ठीक असु” कोयले बोलु। “से कीं?” कागे पुछु। “भगवाने तेन्धे बि यक खुबी दुतो असी। तेस कना कदी तें ध्यान गओ असा ना?” कोयले बोलु। “कि खुबी दुतो असी?” काग झजका।

‘तें कोशिश जेस कमे लिए भुन्ती से कदी हारती नऊ। सोब जेईं तें एस गुणे कदर बि कते। मोउं अन्तर त से गुण असे ईं नऊ। फि अउं बि भगवान जे अन्यायी बोली सकती, पर ना।” कोयले अपु बोक पुरी कर कइ हऊ बोलु, “अउं जाणती, भगवाने हेन्धे जे किछ दुतो असु, खरे सोच विचारी कइ दुतो असु। तेस अन्तर कोई गलती किढ़ीण हें मुर्खता असी।”

पेहली बार काग अपु खुबी जानकारी भुई। कोयले बोके बि अब तेस अब्बल लगी। तसे उदासी दूर भोई गई। तेन बोलु “कोयल भेणिए, तु ठीक बोती।

विषय सूची

तुबारि मासिक पत्रिका

- तुबारि मासिक पत्रिका ई उम्मीद करुं लगो असे कि एण बाड़े रोज अन्तर सुआ मेह्णु इस कम अन्तर साथोट देन्ते।
- इस तुबारि मासिक पत्रिका समाचार पत्र एक्ट अन्तर रिजिष्ट्रि नेई भो। सिर्फ पांगी घाटि अन्तर पढ़ुं जे त भाषाई सुहलियत करण जे इ पत्रिका शुरु किओ असी।
- तुबारि यक अवाणिज्यिक पत्रिका भो।
- तुबारि पत्रिका कोई मेह्णु, जनजाति त संस्कृति गलती कढ़ेण जे नेई छपाण लगो। अगर कोई ईं सोचता बि त अस जिम्मेबार नेई।
- छपाणे पेहले सोब आर्टिकल दुई टाई पांगेई मेह्णु हरालो असे। इ त खुली बोक असी कि पेहली बार पांगवाड़ी लिखणे सुआ मुशकिल भुन्ति त गलती बि भुन्ति। अगर कोई लिखणे गलती असी त असी जे जरूर बोले। त अस तसे होरे संस्करण पुठ ठीक करणे कोशिश कते।
- आर्टिकल्स ना मिएल, या घाटि मेह्णु के साथोट ना मिएल त तुबारि पत्रिका कदी बि बंद भुई सकती।
- कोई चीज छपां असी या नेई छपां जे तुबारि संपादकीय टीमे पुरा अधिकार असा।
- अस किलाड़ केन्द्रीय पुस्तकालय, त बजार हरिराम लाले दुकान अन्तर तुबारि ड्रॉप बॉक्स पुठ बि अपुं सझाव ओर अर्टिक्लस रखुं जे सुविधा किओ असी।
- अस सोबी पांगी मेह्णु जे हात जोड़ कइ अनुरोध कते कि तुस बि कोई अछा अर्टिक्ल पुराणि या नोई कथा, कहावत, कविता, त नोई घीत (पागवाड़ी अन्तर लिख कइ छपां जे हेंघे दिए।

तुबारि संपादकीय टीम

9418429574
9418329200
9418411199
9418904168
9459828290

कोयाल त काग

मेई बेकार अन्तर भगवान जे भलु बुरु बोलु। अउं जे बि असा जीं बि असा, अपु जगाई पुठ ठीक असा। भगवाने अउं अपु ढंगे त तु अपु ई बणाओ असी। दुहे अपु अपु जगाई ठीक असे। असु ना ईं? बिल्कुल, कोयाल हसण लगी।

विषय सूची

बलवान कोउं?

यक रोज दिस त वयार

यक होरी जोई बेहस भुई।

वयार दिस जे बोलु अउं तोउ केआं ज्यादी बलवान असी। “न तु मोउं कियां ज्यादी बलवान न भोई सकती” दिसे तेस जे बोलु।

तिखेईं तेन्के नजर पूरे भुमड़ हंटणे बाड़े बठ गई। तेन मेह्णु चादूर फुलोई रखो थी दिसे त हवाई अपु अपु मन अन्तर सोचु कि जे कोउं बि एस मेह्णु केआं एसे एस चादुरु बहेण कढ़ाई बटेल सेईंए सोबी कियां ज्यादा बलवान असा।”

पेहली बारी हवा मेई। तेन अपु पूरी तागत लाई कइ तेस मेह्णु कन्हे बठ तेस चेदुरु उडारणे कोशिश करण लगी। तेन जती तागत तेस बठ लाई, से चेदुरु तेस मेह्णु जीन जोई बजर भुन्तु गोऊ। ईं तिखेईं तकर चलु, जिखेईं तकर हवाई बारी न मुकी।

विषय सूची

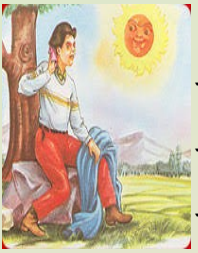

अब दिसे बारी आई। से धिक भई हंसा ई तेसे बेलि तेस मेह्णु गर्मी ईं भुण लगी। तेन तेस चादुरु मुख धीक खोला। ईं हेर दिसे हसुण हऊ बधतु गऊ। तेसे बेलि तेस मेह्णु गर्मी बधती ईं गई। तोउं सुआ ई गर्मी भुन्ते गई, जेसे बेलि तेस मुसाफिर तेस चादुरू लाणे जरुरते न पड़ी। तेन से चादुरु खोल कइ हाथ अन्तर की। एसे बझई जोई त दिस हवा केआं ज्यादु तागत बाडु असु

शिच- सद बोलणे बेलि कोई तागतबर न बणता, कम कर कइ हरालण एन्तु।

गिहा नसते टेम यक लिगिं जेरुर ई सोचे कि असी कि मजबुरी असी हें जिंदगी कियां ज्यादा जरुरी कि असु। असी सोभी मुँहु जोई मास्क लाई कइ होर जगाही या बजार जे घेण जेसे बोली कि असी कैसे किस्मी कोई बिमारी हानी न करीएल।

धाणि त तसे जुएली केआं अब सते बंटी अठ फेरे लवाण चाहिए। सत फेरे तेन्के व्याहे, अठुं जे फेरा असा, से कुई जे लवाण चहिए कि से कुई बचान्ते त तेस पढ़ान्ते।

विषय सूची

दुई घेडु के कथा

यक रोजे बोक भो यक नाह्/नआ अन्तर सुआ हाड़ आउ। से सुआ रोज तकर एतु रेहु टाई रोजे बाद तेस हाड़े तागत धिक कम भुण लगी। तेस हाड़ अन्तर सुआ चीजे बोहिण लगो थी। तेस अन्तर यक टमे घेडु त यक शोउए घेडु बि थी। से दुहो यक होरी के अमणे सामणे बोहिण लगो थिए।

टमे घेडु शाउए तेस घेडु जे बोलण लगु, “लिया भाई, तु त जने बइ बणो असु, तु सुआ कचु असु। तु में भेएड़ एइ कइ बिश सकतु, जेसे बेलि तु सुआ सुरक्षित रिहेल।”

शउए तेन घेडु बोलु “तेईं ई बोल कइ में दिल सुख कइ छा, तें धन्यावाद। अउं ते भेएड़ एणे गलती न कइ सकतु। किस कि तु त मोउं कियां सुआ बल त टठोरु असु। अगर तु अउं जोई बजी घिएल त में त छुक छुक भोई घेण असु। अगर सचे बि तोउ में परवाह असी त मोउं कियां धिक दुर बिश। ई बोल कइ शउए से घेडु टमे तेस घेडु केआं दुर ईं नश गोउ।

शिच- कदी कदी ताकती बाड़े भेयाड़ केआं दूर बिशुण अन्तर भलु भुतुं।

विषय सूची

लखे टके बोक

- अक्लदार कुआ अपु बोउए बोक शुणता, पर मजाक बणाणे बाड़ा डराण घमकाण ना शुणता।

- भला मेह्णु अपु बोकी के बझई जुएई अब्बल चीज खाण जे मेती, पर विश्वासघाती मेह्णु के पेठ उठ-पठांग कमि बई भरींतु।

- जे अपु मुहँ बन्न रखता, से अपु जिन्दगी बचांता, पर जे बक बक कता रेहन्ता, तसे नाश भोई घेन्ता।

- सुसत मेह्णु अब्बल बिशणे लाछ त रखता, होर तेस किछ ना मेतु, पर कमेर मेह्णु हटा-कटा भोई घेन्ता।

- धर्मी मेह्णु झूठी बोकी हेर बैर रखता, पर दुष्ट मेह्णु लाजी बझह बणता त लार्जींता।

- धर्म खरी चाल चलणे बाड़ी के रक्षा कता, पर पापी मेह्णु अपु चलाकी बझई जुएई बरबाद भोई घेन्ता।

- अमीर मेह्णु अपु जानी छुटकारे लिए धन दौलत दी छता, पर गरीब डराण घमकाण शुणता बि नऊ।

विषय सूची